भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

12.03.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2136 का उत्तर

रेल डिब्बों और घटकों का आयात

2136. सुश्री सयानी घोष:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत दस वर्षों के दौरान आयात किए गए रेल डिब्बों के प्रकार और संख्या तथा घटकों का वर्षवार ब्यौरा क्या है;

(ख) इन डिब्बों और घटकों का किन देशों से आयात किया गया था;

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान रेल डिब्बों, रेल इंजनों और संबंधित उपकरणों के आयात पर कुल कितना व्यय किया गया;

(घ) क्या आयातित डिब्बों में संरक्षा अथवा कार्य-निष्पादन मुद्दों से संबंधित कोई घटनाएं हुई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या सरकार की रेल डिब्बों के आयात को न्यूनतम करने और रेलवे में स्वदेशी उत्पादन तथा 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए कोई रणनीतिक योजनाएं हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): रेल मंत्रालय ने 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' नीति के अनुरूप रेल सवारी डिब्बों, रेल इंजनों और उनके कलपुर्जों की खरीद और निर्माण को प्राथमिकता दी है।

sk

सवारी डिब्बों, रेल इंजनों, पहियों और धुरों जैसे उनके महत्वपूर्ण कलपुर्जों के निर्माण के लिए स्वदेशी क्षमता को पूरी तरह से विकसित करने के प्रयास में, रेल मंत्रालय द्वारा यथेष्ट उपाय किए गए हैं, जो निम्नानुसार हैं:

(i) मधेपुरा, मढ़ौरा और दाहोद में उच्च अश्व शक्ति रेल इंजनों का स्वदेशी निर्माण।

(ii) भारत में सेमी-हाई स्पीड रेलगाड़ियों का उत्पादन करने के लिए भारतीय रेल की विनिर्माण सुविधाओं में 'मेक इन इंडिया' के तहत वंदे भारत गाड़ियों का निर्माण।

(iii) भारत में फोर्ज्ड पहिया संयंत्र से प्रतिवर्ष 80000 फोर्ज्ड पहियों की आपूर्ति के लिए मेक इन इंडिया दीर्घकालिक समझौता ताकि देश को फोर्ज्ड पहियों में आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

(iv) इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल ने 2024 में राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) से रायबरेली में फोर्ज्ड पहिया संयंत्र का अधिग्रहण किया है और उत्पादन को बढ़ाया गया है।

(v) भारतीय रेल ने रक्षा मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एमएसएफ से धुरों की खरीद शुरू कर दी है।

****

sk